

⇒ कांस्ट द्वारा विकसित प्रत्यक्षता
का अंतव्यारणा विचार का विकास
का विचार वैदिक तंत्रों
में (सोसाइटी) विकसित कीजिए।

असंत कांस्ट का जन्म 19 जन 1798
में फ्रांस के सॉफ़ेवियर नामक
ग्राम में एक वैज्ञानिक परिवार
में हुआ था।
कांस्ट के प्रत्यक्षता का
जन्मदाता हुआ जाता है। उनका अंत
अंतव्यारणा प्रत्यक्षता विकसित पर
आधारित है। प्रत्यक्षता का अर्थ
वैज्ञानिक है कांस्ट का विचार
है कि समाज के अंतव्यारणा
प्रक्रिया के नियमों द्वारा व्यवस्थित
नशा निर्देशित होता है और यह
कांस्ट के नियमों के एक समझना है
जो व्यापक या सामाजिक आधार
पर नहीं आप्त विज्ञान का प्रयोग
द्वारा है समाज जो व्यवस्था है।
वैज्ञानिक विधियों से कांस्ट का अर्थ
ग्राम नहीं होता है, यह है
निरीक्षण, परीक्षण, प्रयोग और
वर्गीकरण विधायक द्वारा है।

उन प्रकार निरीक्षण
परीक्षण प्रयोग और वर्गीकरण

यह सामाजिक नियमों
 द्वारा नियंत्रित है।
 जो कि सामाजिक व्यवस्था
 को प्रभावित करता है।

1) अर्थ नीतिगत सामाजिक नियमः
 सामाजिक व्यवस्था में अर्थ नीतिगत सामाजिक नियमों का अनुसरण करना
 सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करता है।
 सामाजिक व्यवस्था में अर्थ नीतिगत सामाजिक नियमों का अनुसरण करना
 सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करता है।

2) अर्थगत ज्ञान -
 सामाजिक व्यवस्था में अर्थ नीतिगत सामाजिक नियमों का अनुसरण करना
 सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करता है।

3) सामाजिक व्यवस्था -
 सामाजिक व्यवस्था में अर्थ नीतिगत सामाजिक नियमों का अनुसरण करना
 सामाजिक व्यवस्था को प्रभावित करता है।

आवृत्ति
विज्ञान के क्षेत्र में वर्ष 1994
विज्ञानिक तरीके द्वारा प्रयोग
किया जाता है।

4) विज्ञानिक कार्य प्रणाली -

प्रयोग के लिए प्रयोगशाला विज्ञान
विज्ञानिक कार्य प्रणाली का प्रयोग
आवृत्ति के द्वारा विज्ञानिक कार्य प्रणाली
के अन्तर्गत प्रयोग आसुयन
के लिए एक विषय का प्रयोग
जाता है, फिर प्रयोग विषय
संबंधित तथ्यों का वास्तविक निरीक्षण
के आवृत्ति पर, प्रयोग, प्रयोग
जाता है, इस प्रकार प्रयोग
तथ्यों का पुनः परीक्षण किया
जाता है, फिर प्रयोग प्रयोग
के आवृत्ति पर विषय के संबंधित
कोई निष्कर्ष निकाला है, प्रयोग
प्रयोग प्रयोग निरीक्षण प्रयोग
प्रयोग प्रयोग प्रयोग कार्य प्रणाली
के आवृत्ति पर है,

5) ध्वनि और विज्ञान का सम्बन्ध
ध्वनि का प्रयोग प्रयोग प्रयोग
ध्वनि प्रयोग प्रयोग प्रयोग
प्रयोग प्रयोग प्रयोग प्रयोग
प्रयोग प्रयोग प्रयोग प्रयोग

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद 1947 की
स्वतंत्रता के बाद भारतीय संसदीय प्रजा
समिति का विकास हुआ

(3) प्रजासत्ताक प्रणाली का विकास
का अर्थ है:-

प्रजासत्ताक प्रणाली का अर्थ है कि
राज्य की शक्ति का स्रोत जनता है।
जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि
के द्वारा शासन किया जाता है।
प्रजासत्ताक प्रणाली का अर्थ है कि
राज्य की शक्ति का स्रोत जनता है।
जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि
के द्वारा शासन किया जाता है।

निष्कर्ष:-

प्रजासत्ताक प्रणाली का अर्थ है कि
राज्य की शक्ति का स्रोत जनता है।
जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि
के द्वारा शासन किया जाता है।
प्रजासत्ताक प्रणाली का अर्थ है कि
राज्य की शक्ति का स्रोत जनता है।
जनता के द्वारा चुने गए प्रतिनिधि
के द्वारा शासन किया जाता है।